

सतलज स्त्री. (तत्.) पंजाब की पाँच नदियों में से एक, सतलुज।

सतलड़ी स्त्री. (तद्.) सात लड़ों की माला।

सतवन्ती स्त्री. (तद्.) सतवाली, सती, पतिव्रता।

सतवार पुं. (तद्.) सात दिनों का समूह, सप्ताह *वि.* सत् या धर्म पर होने वाला, सदाचारी, धर्मनिष्ठ।

सतसई स्त्री. (तद्.) वह ग्रंथ जिसमें सात सौ पद्य हो, सात सौ पद्यों का समूह या संग्रह जैसे- बिहारी-सतसई।

सतसल पुं. (देश.) शीशम का वृक्ष।

सतह स्त्री. (तत्.) 1. किसी वस्तु का ऊपरी भाग या विस्तार 2. वह वस्तु जिसकी लंबाई-चौड़ाई भर हो, गहराई न हो 3. जल का ऊपरी भाग 4. तल जैसे- जमीन या समुद्र की सतह।

सतहत्तर पुं. (तद्.) 1. सत्तर से सात अधिक की संख्या, (77)।

सतही वि. (तत्.) सतह का, ऊपरी, जिसमें गहराई न हो।

सतानंद पुं. (तत्.) गौतम ऋषि के पुत्र जो, राजा जनक के पुरोहित थे, शतानंद।

सताना स.क्रि. (तत्.) पीड़ित करना, कष्ट देना, संतप्त करना, दुःख देना, परेशान करना।

सतारूक पुं. (तत्.) 1. कुष्ठ रोग का एक भेद 2. एक रोग जिसमें शरीर पर लाल और काली फुंसियाँ निकलती हैं।

सतालू पुं. (तद्.) आड़ू का वृक्ष, सफतालू, शफातालू।

सतावर स्त्री. (तद्.) एक झाड़दार बेल जिसकी जड़ और बीज औषध के काम में आते हैं, शतमूली, शतावरी।

सती स्त्री. (तत्.) 1. पतिव्रता स्त्री 2. अपने पति के मरने पर उसके साथ ही जल कर मर जाने वाली स्त्री 3. दक्ष की एक कन्या का नाम 4. एक प्रकार की सुगंधित मिट्टी 5. विश्वामित्र की पत्नी का नाम 6. मादा पशु 7. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में नगण और गुरु के योग से 4 वर्ण होते हैं।

सतीचौरा पुं. (तत्.+तद्.) किसी सती के स्मारक के रूप में बना हुआ चबूतरा।

सतीत्व पुं. (तत्.) सती होने की अवस्था, धर्म या भाव, पतिव्रत्य।

सतीत्व हरण पुं. (तत्.) सतीत्व नष्ट करना, शील-भंग करना।

सतीदोषोन्माद पुं. (तत्.) सती के प्रति दुष्ट भाव प्रदर्शित करने के कारण स्त्रियों को होने वाला उन्माद रोग।

सतीन पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का मटर 2. यथार्थ, वास्तविक 3. अपराजिता नाम की एक लता 4. बाँस।

सतीर्थ पुं. (तत्.) 1. सहाध्यायी, साथ अध्ययन करने वाले, ब्रह्मचारी, सहपाठी 2. शिव टि. तीर्थ युक्त।

सतुआन स्त्री. (देश.) मेष की संक्रान्ति, सतुआ संक्रान्ति जिस दिन सत्तू के दान और भोजन का विधान है।

सतुष पुं. (तत्.) तुष युक्त अन्न, ऐसा पौधा जिनमें तुष हो *वि.* भूसी वाला अन्न (वनस्पति.)।

सतृष्ण वि. (तत्.) तृष्णा से युक्त, तृष्णापूर्ण।

सतेरक पुं. (तत्.) ऋतु, मौसम।

सतोगुण पुं. (तत्.) दे. सत्वगुण।

सतोदर पुं. (तत्.) 1. शिव का एक गण 2. एक अस्त्र 3. मंत्र।

सतौसर पुं. (तद्.) सात लड़ियों का हार।

सत्कदंब पुं. (तत्.) कदंब का एक भेद, केलिकदंब।

सत्करण पुं. (तत्.) 1. अंत्येष्टि क्रिया करना 2. सत्कार करना, आदर करना।

सत्करणीय वि. (तत्.) आदरणीय, पूज्य, सत्कार का पात्र।

सत्कर्ता वि. (तत्.) 1. आदर-सत्कार करने वाला 2. सत्कर्म करने वाला, अच्छा कार्य करने वाला टि. विष्णु।